

गया हो 2. किसी को जोर से पुकारते समय संबोधन- सूचक शब्द।

होई स्त्री. (देश.) अहोई पूजन, स्त्रियों द्वारा संतान की प्रसन्नता एवं दीर्घायु के लिए रखा जाने वाला व्रत।

होगला पुं. (देश.) एक प्रकार का नरसल या नरकट।

होजन पुं. (तत्.) एक प्रकार का हाशिया या किनारा जो कपड़ों में बनाया जाता है।

होटल पुं. (अं.) आधुनिक किस्म के वह विश्राम गृह जहाँ लोग मूल्य देकर खाना-पीना करते हैं और कुछ समय के लिए ठहरते हैं, आम तौर पर पर्यटक लोग वहाँ ठहरते हैं। hotel

होड़ स्त्री. (तद्.) 1. शर्त, बाजी, प्रतिस्पर्धा, प्रतिद्वंद्विता 2. किसी के बराबर होने के लिए किया जाने वाला प्रयत्न 3. जिद, हठ 4. नाव, नौका।

होड़ पुं. (तत्.) 1. चोर 2. लुटेरा, डाकू।

होड़वादी स्त्री. (तत्.) 1. होड़ा-होड़ी, एक दूसरे से आगे निकलने का प्रयत्न, प्रतिस्पर्धा 2. बाजी, शर्त।

होड़ा-होड़ी स्त्री. (देश.) किसी भी काम में एक दूसरे को पछाड़ कर आगे निकलने का प्रयत्न।

होत स्त्री. (देश.) 1. होने की अवस्था, गुण या भाव, अस्तित्व 2. संपन्नता, पास में धन होना उदा. 'होत का बाप, अनहोत की माँ' 3. सामर्थ्य, हैसियत।

होतव पुं. (देश.) 1. होतव्य, भवितव्य जो दैव की ओर से अवश्यंभावी हो, जो होकर के रहे 2. भावी, होनहार।

होतव्यता स्त्री. (तद्.) भवितव्यता, अवश्य और अनिवार्य रूप से होने वाली घटना, होनहार।

होता पुं. (तद्.) 1. ऋत्विज, यज्ञ में आहुति डालने वाला 2. यज्ञ कराने वाला पुरोहित 3. अग्नि 4. शिव।

होता-सोता वि. (देश.) निकट संबंधी, नजदीकी रिश्तेदार उदा. अपने होते-सोते ऐसी बातें अच्छी नहीं लगती।

होतृक पुं. (तत्.) होत्रक, होता या यज्ञ कराने वाले पुरोहित का सहायक।

होत्र पुं. (तत्.) 1. हवि 2. होम 3. हवन सामग्री, आहुति।

होत्रक पुं. (तत्.) होता का सहायक।

होत्री स्त्री. (तत्.) 1. यज्ञ में यजमान के रूप में प्रतिष्ठित शिव की मूर्ति 2. शिव की आठ मूर्तियों में से एक।

होत्रीय वि. (तत्.) 1. होता से संबंधित 2. होता 3. हवन या यज्ञस्थली।

होनहार वि. (देश.) 1. जो घटना या बात अवश्य होनी है, भवितव्यता, होनी, भावी 2. व्यक्ति विशेष के संबंध में, विशेषकर बालक जिसके आगे चलकर सुयोग्य या महान व्यक्ति बनने की संभावना है, अच्छे लक्षणों वाला, उदीयमान, भविष्य promising पुं. दैवीय या प्राकृतिक रूप से अवश्यंभावी घटना या बात।

होना अव्य. (प्राकृ.होन) 1. एक बहुत प्रचलित और प्रसिद्ध क्रिया जो प्रयोग और व्यवहार की दृष्टि से 'करना' क्रिया के अकर्मक रूप का काम देती है, व्युत्पत्ति की दृष्टि से इसका संबंध संस्कृत भवन (बनना) से है, परंतु साधारण क्रिया के रूप में यह अस्तित्व उपस्थिति, विद्यमानता, सत्ता आदि के अनेक भावों से युक्त हो गई है और अनेक अर्थ देती है 2. किसी रूप में अस्तित्व में आना या सामने आना उदा. वृक्षों में फल होना, दिन रात का होना 3. किसी कार्य का पूर्णता या समाप्ति को प्राप्त होना उदा. लडक़े की शादी होना, पुस्तक का प्रकाशित होना, विरोधी देशों में समझौता होना 4. हो चुका (i) नहीं हो सकता, कभी न होगा उदा. तुमसे तो यह काम हो चुका (ii) परिणाम शुभ न होना अतः नैराश्य सूचक उदा. ऐसे ही कर्मचारी आते रहे तो काम हो चुका उदा. यदि वह नाराज होकर चला ही गया है तो क्या हुआ, चिंता की कोई बात नहीं मुहा. किसी काम का होकर रहना-किसी कार्य का हो जाना उदा. तुम लाख अड़ंगे लगाओ परंतु काम तो होकर रहेगा; होना-जाना या होना हवाना उदा.